आनन्द है परम आनन्द है

क्या यह मेरा सौभाग्य है

इस सृष्टि का तारणहारा

मेरे हृदय का राजा हुआ

1 आनन्द मनायें आओ आनन्द मनाये

यीशु राजा मेरा हो गया

इस सृष्टि का तारणहारा

मेरे हृदय का राजा हुआ

2 मेरे बालकपन से उसने मुझको चुन लिया

जब मैं भटका दूर हो गया

उसकी करूणा ने फिर भी छोड़ा

नया जीवन मुझे दे दिया।

3 मैं बना रहूँगा प्रेम में अपने प्रभु के

चाहे कोई भी बाधा पड़े

उसकी आज्ञा को नहीं भूलूंगा

जब तक उस का आना ना हो।

4 जब प्रभु आयेगा अंग में मुझको भर लेगा

ताकि उसके साथ मैं रहूँ

मैं मगन रहूँगा उसकी संगति में

जहाँ आनन्द ही आनन्द है।